

280

रिजिस्ट्री वैध 1,20,000/- 0.10 0.15

सिमडेगा

278

5000Rs.



46 W. 100/102

331 A & 101/102

Persepolis w/o C.L.L.

Sindhega vide Eppara

12/2000/01

Signature

Signature

10096 W

N.A.P. 2400 A

12480/2

5(1)	2400.00
2(2)	36.00
200	2.50
100	0.94
<hr/>	
	2439.44

सर्वे सजायि चक्रां मोबलि रु 1,20,000/-

रु 15 डि. (प.प.र. डि.स.सि.म.) जमान इन्डमाल बंधी

ता: 10.04.2002

Subil Lakra.

10.14.2002

Subil Lakra - 10.4.02

॥ नाम लेख्यकारीगण :- ॥ १ ॥ श्री सुबोध लकड़ा वो ॥ २ ॥ श्री सुनील

लकड़ा वो ॥ ३ ॥ श्री सुधीर लकड़ा पेशरान खो वोन्हास
लकड़ा जाति उरांव पेशा छेती वो नौकरी, निवास गांव
सिमडेगा क्लब टोली थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा

विक्रेतागण ।

शपथ-पत्र संख्या - - - - - / 2002



- : 2 :-

॥2॥ नाम लेख्यधारी :- श्री जौन अलविस कुल्लु पिता श्री मातियस

कुल्लु, जाति खाडिया पेशा नौकरी निवास गाँव

गांधी भेदान थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा

भारतीय नागरिक - - - - - क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या - - - - - 2002

सि. सुलोफ अरुडी

दि. 10.04.2002

Suroil Lakha.

10.4.2002

Sch. No. 10.4.2002

॥3॥ लेख्य प्रकार :- बिक्री पट्टा केवाला सदा सर्वदा के लिए ।

॥4॥ मूल्य :- मोवलिंग एक लाख बीस हजार रुपये अर्थात् 1,20,000/-

रुपये मात्र ।

॥5॥ विक्रीत सम्पत्ति :- पराजियात अन्दर मौजा गोतरा थाना

टोली थाना सिमडेगा थाना नं० 80 जिला सिमडेगा

के खाता नं० 120 प्लॉट नं० पाँच हजार एक सौ

वोरानबे अर्थात् 5194 रकबा 4.27 एकड़ में से रकबा

पन्द्रह डिसिमिल अर्थात् 0.15 एकड़ नाम जमीन पोस्ट

ऑफिस टांड, दर्जा जमीन आवासीय, चौहद्दी -

सी. सुलोफ अरुडी

दि. 10.04.2002

Suroil Lakha.

10.4.2002

Sch. No. 10.4.2002

10/04/2002



-: 3 :-

दक्षिण :- इसी प्लॉट अंश रास्ता,

पूरब :- इसी प्लॉट अंश रास्ता,

पश्चिम :- इसी प्लॉट का अंश ।

हक रेयती बिक्री होता है । सालाना मालगुजारी दस पैसे और 10 पैसे क्लावे मय शीष ।

॥6॥ वृंकि हम लेख्यकारीगण को कृषि योग्य जमीन

छारीदने के लिए रूपये की आवश्यकता हुई तथा इस काम के

लिए इस समय रूपये का मिलना असम्भव हो गया । तब हम

लोगों ने उमर वाणिजि छाना संख्या पांच में है उस जमीन को

अवने का निर्णय लिये तथा छाना संख्या दो में वाणिजि

लेख्यधारी से जमीन छारीदने की आग्रह किये जिसे उन्होंने रूपये

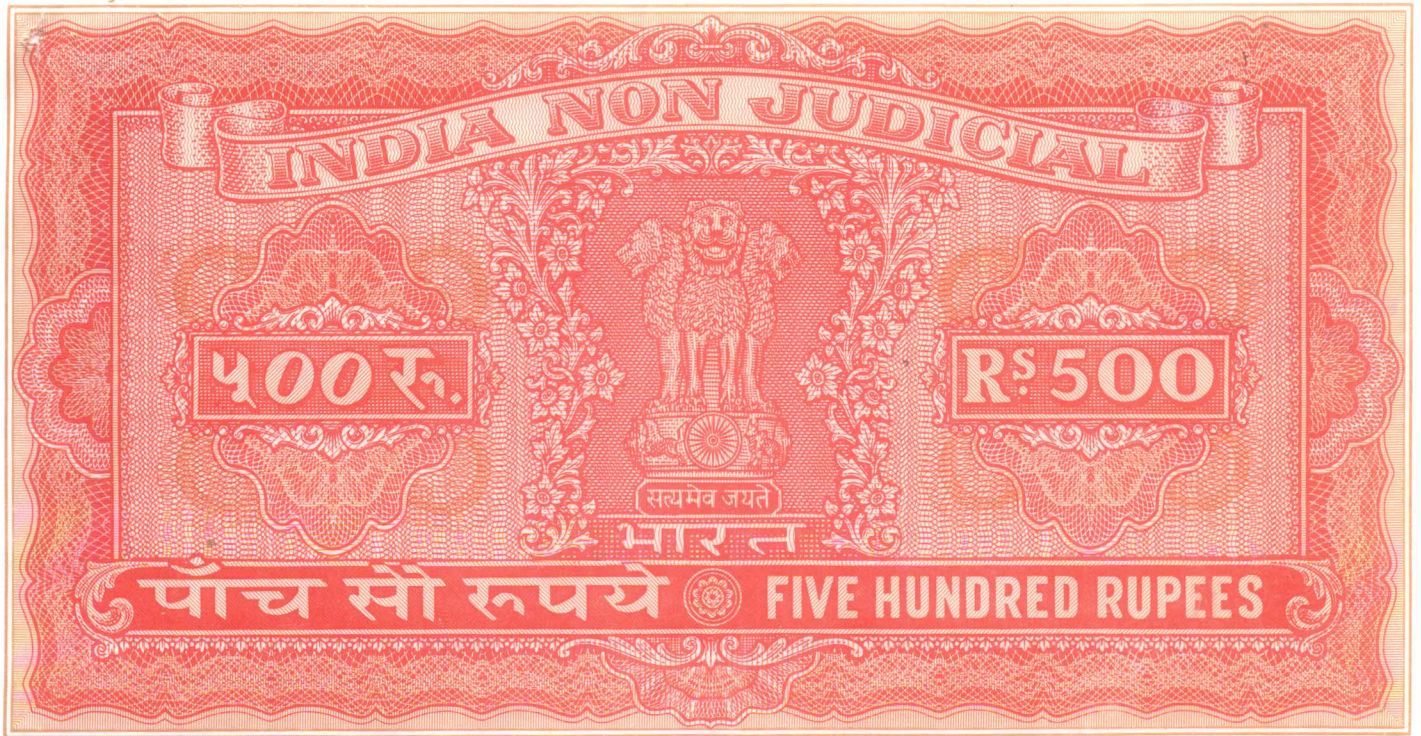
में छारीदना स्वीकार किया ।

अतः हम लोगों ने उपर्युक्त जमीन का पूरा कीमत

श्री सुभाष चमकड़ा
ता. 10.04.2002

Savit Laxna,
10.4.2002
admission 10.4.2002

श्री. गमधर प्रधान
पिता श्री. सागरराज प्रधान
ग्राम भानादोल
जिला सिमडेगा
ता. 10-4-2002



- : 4 :-

पाकर उमर छाना संख्या पांच में वृणित जमीन को लेख्यधारी के हाथ खेवा वो कुल हक रेयती हस्तान्तरित कर दिया वो शान्ति पूर्ण दखल भी दे दिया । सो प्रमाण में अपने शरीर वो मम वो दिमाग की स्वस्थाता में राजी लुशी से यह - दस्तावेज निष्पादित कर रहे हैं कि सम्म पर काम आवे ।

आज से इस दस्तावेज के द्वारा खेवी गयी जमीन जो इस दस्तावेज के छाना संख्या पांच में वृणित है, पर हमलोगों का अथवा हम लोगों के किसी भी वारिशान अथवा - स्थानापन्न जो कभी है अथवा भाविष्य में होंगे उनका किसी भी प्रकार का हक, दावा वो दखल नहीं रहेगा ।

हम लोग प्रमाणित करते हैं कि इस दस्तावेज के द्वारा खेवी गयी जमीन हम लोगों की पैतृक सम्पत्ति है । हम लोगों के पिताजी की मृत्यु के पश्चात् हम तीनों भाईयों के दखल कब्जे

सह स्वाक्षर
दि: 10.04.2002

Simil Laska,

10.4.2002
S. L. Laska 10.4.2002



-: 5 :-

की है एवं संयुक्त सम्मति है इन जमीनों पर किसी प्रकार का

भार एवं झाड़ा झंझट नहीं है ।

वाजे रहे कि क्रेतागण एवं विक्रेता दोनों एक ही

थाने के हैं एवं आदिवासी हैं । इसलिए जमीन की खरीद-

बिंदी करने की इजाजत के लिए दफ्तर 46 छोटानागपुर कास्तकारी

अधिनियम के तहत सक्षम पदाधिकारी के द्वारा जिसका मुकदमा

संख्या 172/2000-2001 में पारित आदेश व तारीख -

1-8-2000 के द्वारा उप समाह त्तर्हि भूमि सुधार सिमेंगा से

आवश्यक अनुमति मिल चुकी है ।

अब चाहिए कि लेखधारी मय उत्तराधिकारी

पूर्ण दिखालकार होकर आबाद करें तथा अंवल अधिकारी ,

सिमेंगा के सिरिस्ते में अपना नाम दाखिल खारीज करा कर

साल-ब-साल मालगुजारी मय शौष देकर खाश रसीद पावें ।

सही सत्यापन अर्थात्
दि. 10.04.2002
Sunit Laxra,
दि. 10.4.2002
Sunit Laxra, 10.4.2002



-: 5 :-

की है एवं संयुक्त सम्मति है इन जमीनों पर किसी प्रकार का
भार एवं झंझा झंझट नहीं है ।

वाजे रहे कि क्रेतागण एवं विक्रेता दोनों एक ही
थाने के हैं एवं आदिवासी हैं । इसलिए जमीन की खरीद-
बिक्री करने की इजाजत के लिए दफ्तर 46 छोटानागपुर कास्तकारी
अधिनियम के तहत सक्षम पदाधिकारी के द्वारा जिसका मुकदमा
संख्या 172/2000-2001 में पारित आदेश ब तारीख -
1-8-2000 के द्वारा उप समाह त्तर्हि भूमि सुधार सिमेंगा से
आवश्यक अनुमति मिल चुकी है ।

अब चाहिए कि लेख्यधारी मय उत्तराधिकारी
पूर्ण दखलकार होकर आबाद करें तथा अंवल अधिकारी ,
सिमेंगा के सिरिस्ते में अपना नाम दाखिल खारीज करा कर
साल-ब-साल मालगुजारी मय शौष देकर खाश रसीद पावें ।

सहा सहाय-अर्द्ध
दि. 10.04.2002
Sunit Latha,
10.4.2002
Sunit Latha 10.4.2002



-: 6 :-

हम लोग घोषणा करते हैं कि इस दस्तावेज के द्वारा बेची गयी जमीन, बेचने से पूर्व धारित जमीन अथवा बेचने के बाद बची शेष जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

सही -

॥ लेख्यकारीगण ॥

सुनील सुभाष लक्ष्मी

दि: 10.04.2002

Sunil Lakshmi

10.4.2002

Sudhakar 10.4.2002

सुनील सुभाष लक्ष्मी
दि: 10.04.2002
Sunil Lakshmi
10.4.2002
Sudhakar 10.4.2002

मैं, घोषणा करता हूँ कि इस दस्तावेज के द्वारा खरीदी गयी जमीन से पूर्व, अथवा खरीदने के बाद जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

सही - Tahar Adore Khuller



-: 7 :-

लेख्यकारीगण के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र
दस्तावेज का प्राप्त तैयार कर उनकी गवाहों के सामने पढ़ कर
सुना वो समझा दिया जिसे स्वीकार किये।

प्राप्त कर्ता,
अधन अंशक
२०-४-२००२

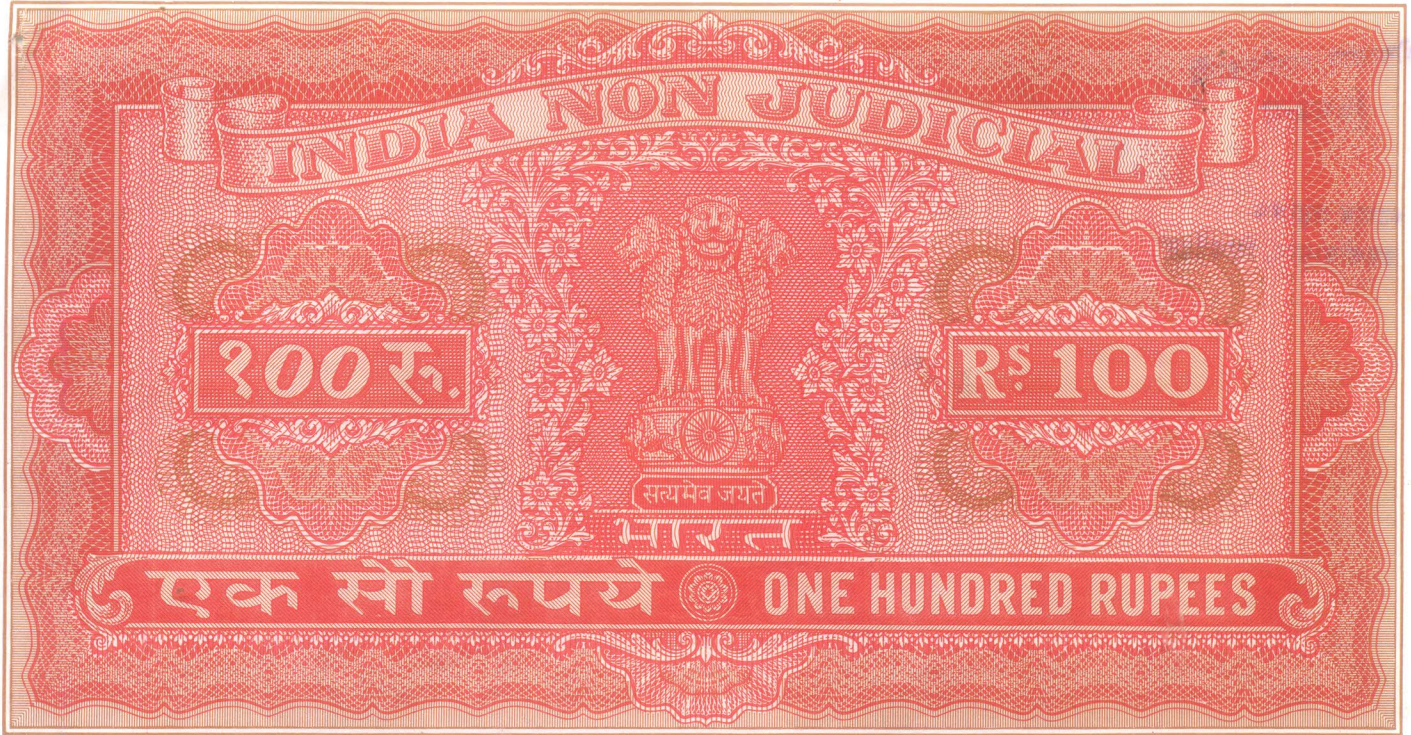
अधिका, सिमडेगा।

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के
कुल 13 पृष्ठों में कुल 591 शब्द टंकित हैं जो छान्डन रहित वो
नक्शा सहित है। जिसमें पृष्ठ संख्या 9 से 13 खाली हैं।

टंकक -

₹/- नारायण दास
१०/५/२००२
कचहरी परिसर, सिमडेगा।

सा.प्र. सुवाय्य करि
दि: 10.04.2002.
Sweil Lakha,
10.4.2002
Sadhuram - 10.4.2002



-: 8 :-

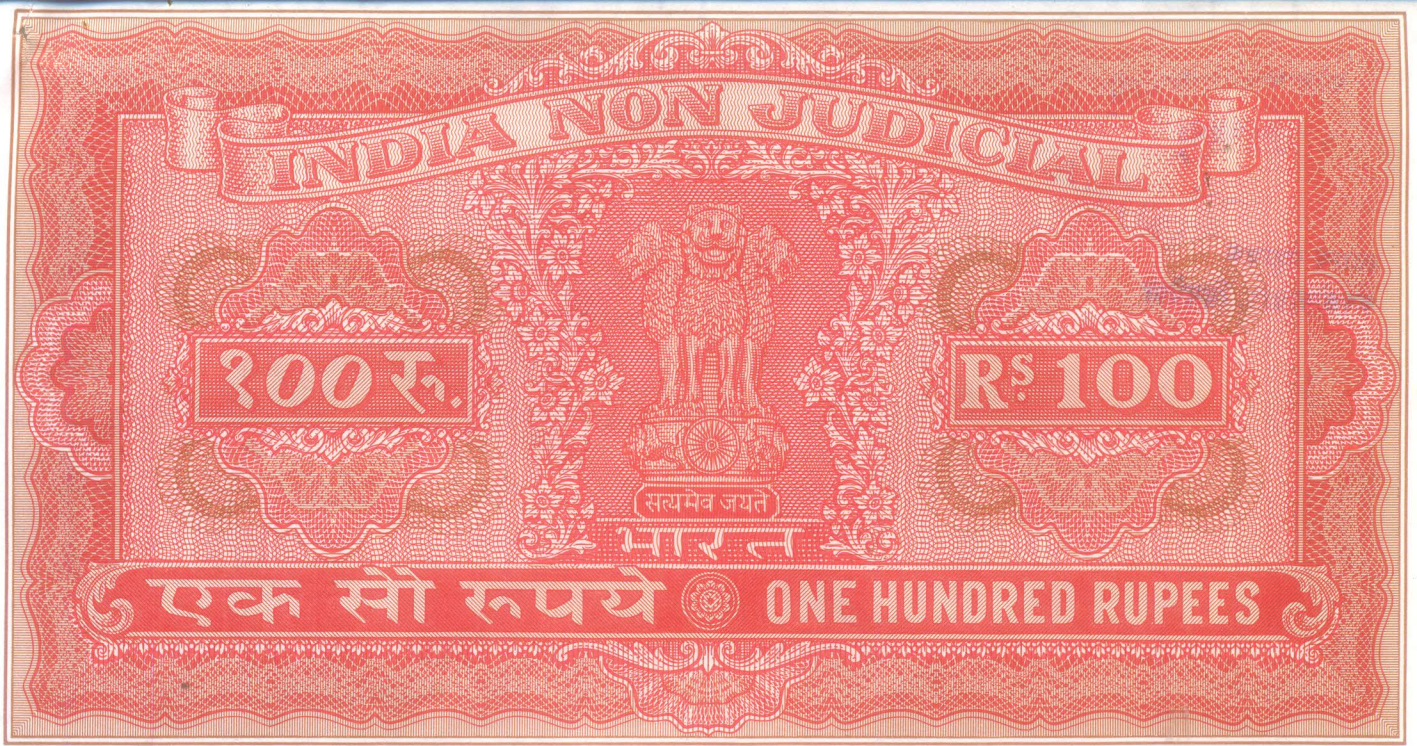
प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं
द्वितीयक प्रति एक दूसरे के साथ हबहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

सही - सुनील लकड़ा
ता. 10.04.2002

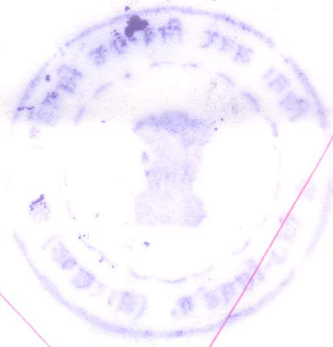
Sunil Laxra.
10.4.2002

Sudhakar. 10.4.2002

सही सुनील लकड़ा
ता. 10.04.2002
Sunil Laxra.
10.4.2002
Sudhakar. 10.4.2002

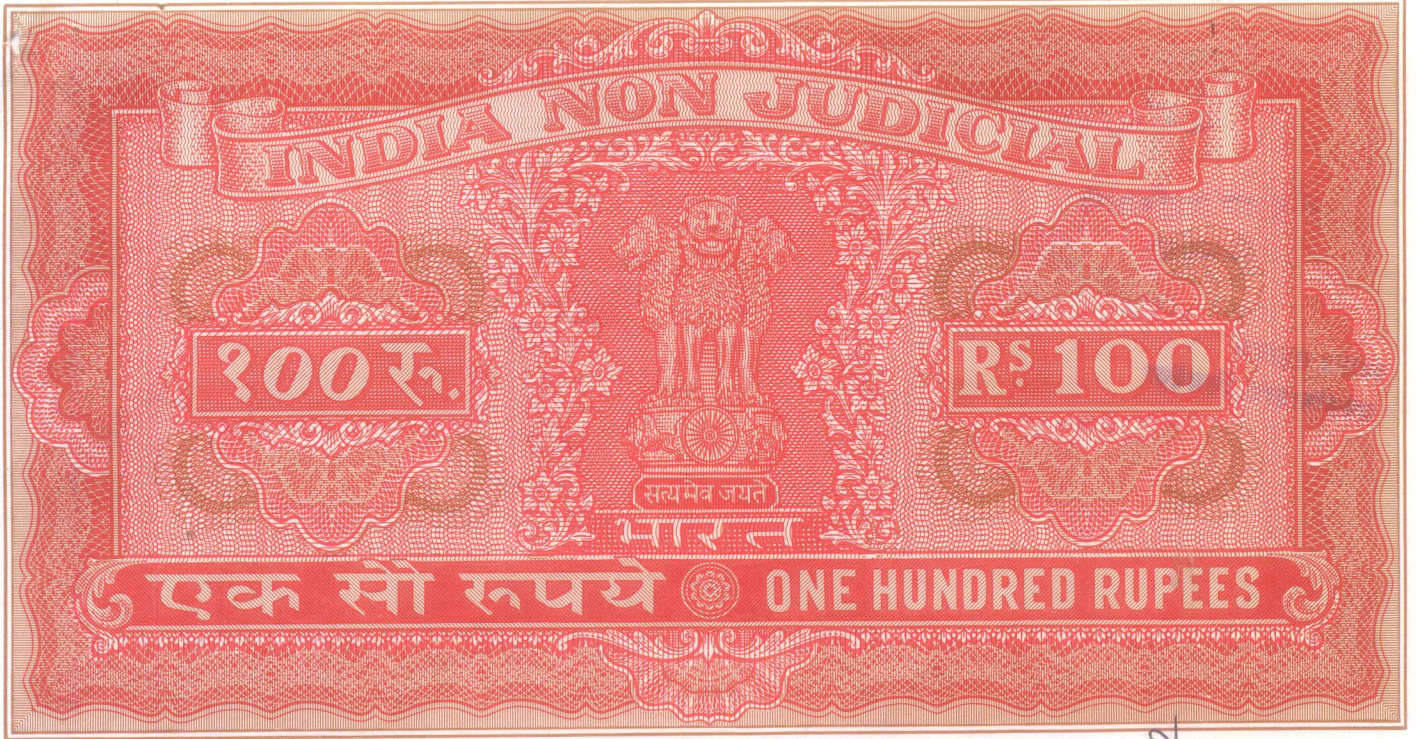


- : 9 :-



श्री अनाय अड. १
दि. 10.04.2002
Sunit Laxar
10.4.2002
Sudhakar 10.4.2002

100Rs.



-: 10 :-



सत्यमेव जयते
 10.04.2002
 Sunil Lakha,
 10.4.2002
 10.4.2002



- : || :-



श्री अनाप/अरु/५७
 दि: 10.04.2002
 Suvil Laxmi,
 10.4.2002
 Submituc 10.4.2002



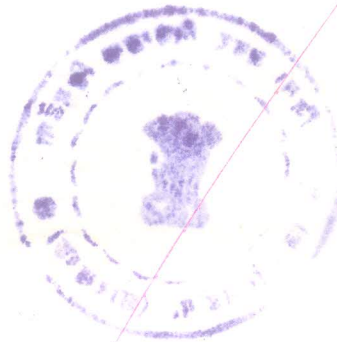
-: 12 :-



सर्वे सवाय, कर्डी
दि: 10.04.2002
Sumil Lakra,
10.4.2002
Buck, New 10.4.2002



-: 13 :-



सौ. सवाई लक्ष्मी
 दि: 10.04.2002
 Sawai Lakshmi,
 10.4.2002
 Sawai Laxmi 10.4.2002

(Faint, illegible text, possibly bleed-through from the reverse side of the page)